

मैं हू शरण मे तेरी संसार के रचैया

मैं हू शरण मे तेरी संसार के रचैया कशती मेरी
लगादो उस पार ओ कन्हैया

मेरी अरदास सून लीजे प्रभू सूध आन कर लीजै
दरस एकबार तो दीजै मौ समझूंगा श्याम रीझे
पतवार थाम लो तूम मजधार मे है नैया, मैं हू शरण...

भक्त बेचैन हूं तूम बीन तरसते नैन है तूम बीन
अंधेरी रैन है तूम बीन कही ना चैन है तूम बीन
है उदास देखो तूम बीन गोपी ग्वाल, मैं हू शरण...

दयानीधी नाम है तेरा कहाते हो अन्तर्यामी
समाये हो चराचर मे सकल संसार के स्वामी
नमामी नमामी हरदम बृजधाम के बसैया, मैं हू शरण...

तेरी यादो का मनमोहन ये दिल मे उमड़ा है सावन
बूझेगी प्यास इस दिल की सूनुंगा जब तेरा आवन
पावन पतीत हूं करना जगदीश ओ कन्हैया, मैं हू शरण...

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35504/title/mai-hu-sharan-me-teri-sanshar-ke-rachaiya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |